नमोकार मंत्र

HISTORY OF **नमोकार मंत्र**

जैन परंपरा में नवकार महामंत्र के लिए अनेक नामों का उपयोग किया गया है:—

1. **पंच नमस्कार**
2. **पंच मंगल**
3. **पंच परमेष्ठी नमस्कार**
4. **पंच गुरु नमस्कार**
5. **जिन नमस्कार**

महानिशीथ सूत्र में पंच मंगल महाश्रुत स्कंध कहा गया है।
अन्य ग्रंथो में पंच परमेष्ठी नमस्कार सूत्र दिया है, जिसका प्राकृत नाम "नमोक्कार सुत्तम" है, बाद में नमोक्कार बन गया और आगे चलकर नवकार बन गया और सुत्तम हो गया सूत्र और इस सूत्र में मंत्र की सारी खूबी होने के कारण इसे मंत्र भी कहा जाने लगा।

"मंत्र" शब्द में "मं" का मतलब है "मन" और "त्र" का अर्थ है " रक्षण"
तो मंत्र का अर्थ है- व्यक्ति के मन के विचारो का जो रक्षण करता है उसे मंत्र कहा जाता है।

MEHULI KAMDAR

ॐ में नवकार :

ॐ (ओम) शब्द में अ, अ, आ, उ और म का समावेश है।

अ = अरिहंत

अ = अशरीरी (सिद्ध)

आ = आचार्य

उ = उपाध्याय

म = मुनि अथवा साधु

MEHULI KAMDAR

NAMO LOE SAVVA-SĀHUNAM

ESO PANCH NAMOKKĀRO
These five bowing downs

SAVVA PĀVVAPPANĀSANO
destroy all the sins.

MANGALĀNANCHA SAVVESIM
Amongst all that is auspicious

PADHAMAM HAVEI MANGALAM
this Namokār Mantra is the foremost.

MEHULI KAMDAR

नमस्कार महामंत्र :

नमो अरिहंताणं - केवलज्ञानी, जागृत आत्मा को मेरा नमस्कार

नमो सिद्धाणं - मुक्त आत्मा को मेरा नमस्कार

नमो आयरियाणं - आध्यात्मिक गुरु / आचार्यों को मेरा नमस्कार

नमो उवज्जायाणं - उपाध्याय को मेरा नमस्कार

नमो लोअे सव्व साहूणं - सभी साधु-साध्वी को मेरा नमस्कार

ऐसो पंच नमुक्कारो - इस पाँच परमेष्ठी को मेरा नमस्कार

सव्व पाव पणासणो - सभी पापो का नाश करता है

मंगलाणं च सव्वेसि - वह सर्व में शुभ, मंगलमय है

पढमं हवई मगंलम - यह मुख्य और सबसे शुभ पद है

MEHULI KAMDAR

पंच परमेष्ठी के गुण

1. **नमो अरिहंताणम** - 12
2. **नमो सिद्धाणं** - 8
3. **नमो आयरियाणं** - 36
4. **नमो उवज्जायाणम** - 25
5. **नमो लोए सव्व साहूणम** – 27

108

MEHULI KAMDAR

नमो अरिहंताणम -12 गुण

ATISHAY - 4

१) ज्ञानातिशय - सर्वज्ञता

२) वचनातिशय - आदर्श वाणी

३) पूजातिशय - पूजनीय

४) अपयागमातिशय - निंद्रा, राग, भूख, प्यास आदि से मुक्त

PRATIHARYA - 8

MEHULI KAMDAR

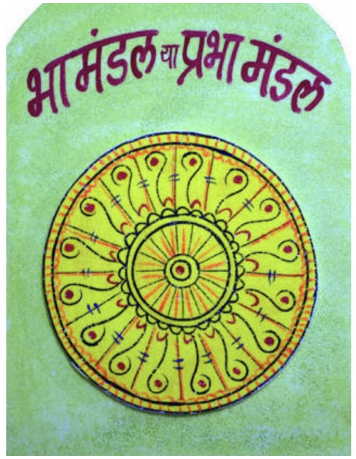

ले

ले

MEHULI KAMDAR

नमो सिद्धाणं -8 गुण

1. अनंत ज्ञान- ज्ञानावर्णीय कर्म को नष्ट किया है।
2. अनंत दर्शन-दर्शनावर्णीय कर्म को नष्ट किया है।
3. अनंत सुख- वेदनीय कर्म को नष्ट किया है।
4. वीतरागता- मोहनीय कर्म को नष्ट किया है।
5. अक्षय स्थिति- आयुष्य कर्म को नष्ट किया है।
6. अमूर्त गुण- नाम कर्म को नष्ट किया है।
7. अगुरुलघु गुण- गोत्र कर्म को नष्ट किया है।
8. अनंत वीर्य गुण- अंतराय कर्म को नष्ट किया है।

MEHULI KAMDAR

DIFFERENCE BETWEEN ARIHANT AND SIDDH

DIIFERENCE NO. 2

SIDDHA SHILA

1. ~~ज्ञानावर्णिय कर्म~~
2. ~~दर्शनावर्णिय कर्म~~
3. वेदनीय कर्म
4. ~~मोहनीय कर्म~~
5. आयुष्य कर्म
6. नाम कर्म
7. गोत्र कर्म
8. ~~अंतराय कर्म~~

A LOK

MEHULI KAMDAR

नमो आयरियाणं -36 गुण

आचार्य के गुण -३६

५ महाव्रत (हिंसा, जूठ, चोरी, अब्रह्म और परिग्रह का संपूर्ण त्याग)

५ समिति-

१) इरिया समिति
२) भाषा समिति
३) एषणा समिति
४) आदान निक्षेप समिति
५) परिस्थापनिका समिति

३ गुप्ति- (मन गुप्ति, वचन गुप्ति, काय गुप्ति)

५ आचार-(ज्ञानाचार, दर्शनाचार, चरित्राचार, तपाचार, वीर्याचार)

५ इंद्रिय संयम-(श्रोतेंद्रिय, चक्षुइंद्रिय,घ्राणेइंद्रिय,रसनेंद्रिय और स्परस्नेंद्रिय)

४ कषाय रहित

९ ब्रह्मचर्य के नियम का पालन करना

(वसति वर्जन,कथा वर्जन,निषधा वर्जन, दृष्टि वर्जन, शब्द वर्जन,पूर्वक्रिडित वर्जन, प्रणित आहार वर्जन, अतिआहार वर्जन और विभूषा वर्जन)

MEHULI KAMDAR

नमो उवज्जायाणम -25 गुण

उपाध्या

११ अंग

१२ उपां

१-चरण ुण)

१- करप तरगुण)

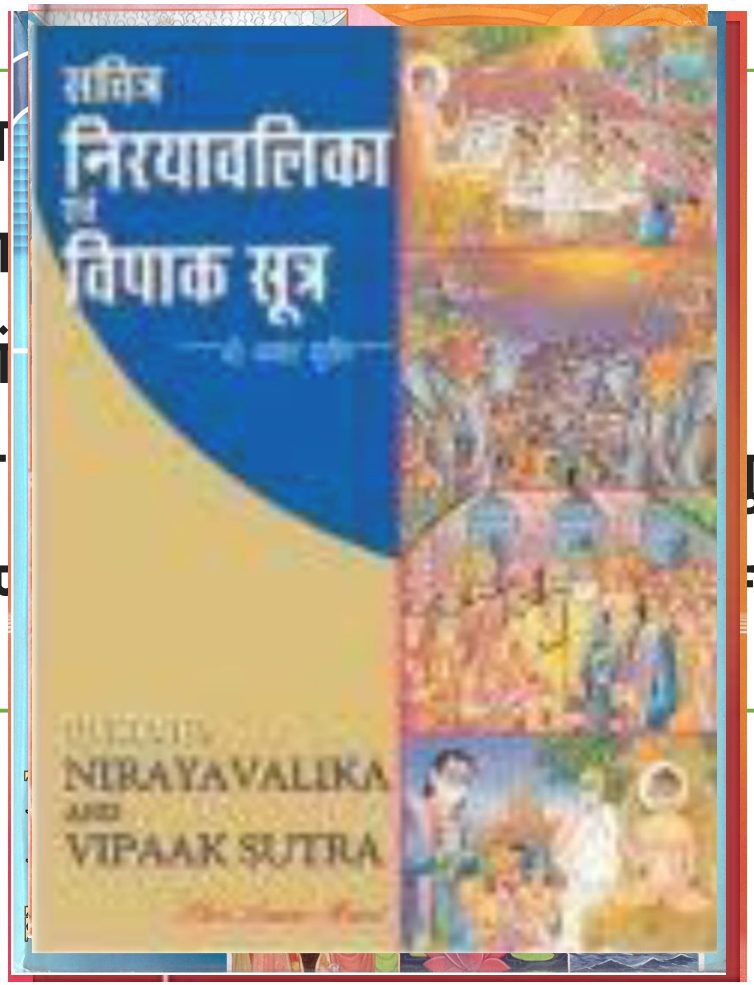

MEHULI KAMDAR

नमो लोएसव्वसाहूणम -27 गुण

साधु / साधवी के गुण-२७-
५ महाव्रत का पालन करना
५ इंद्रियो का निग्रह करना
४ कषायो का निग्रह करना
३ गुप्ति
३ सत्य(भाव सत्य, करण सत्य, योग सत्य)
३ रत्नत्रयी(सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन, सम्यक् चरि
१-क्षमावंत
१-वैराग्यवंत
१-परिषह को सहन करना
१-मरणांतिक कष्ट को सहन करना

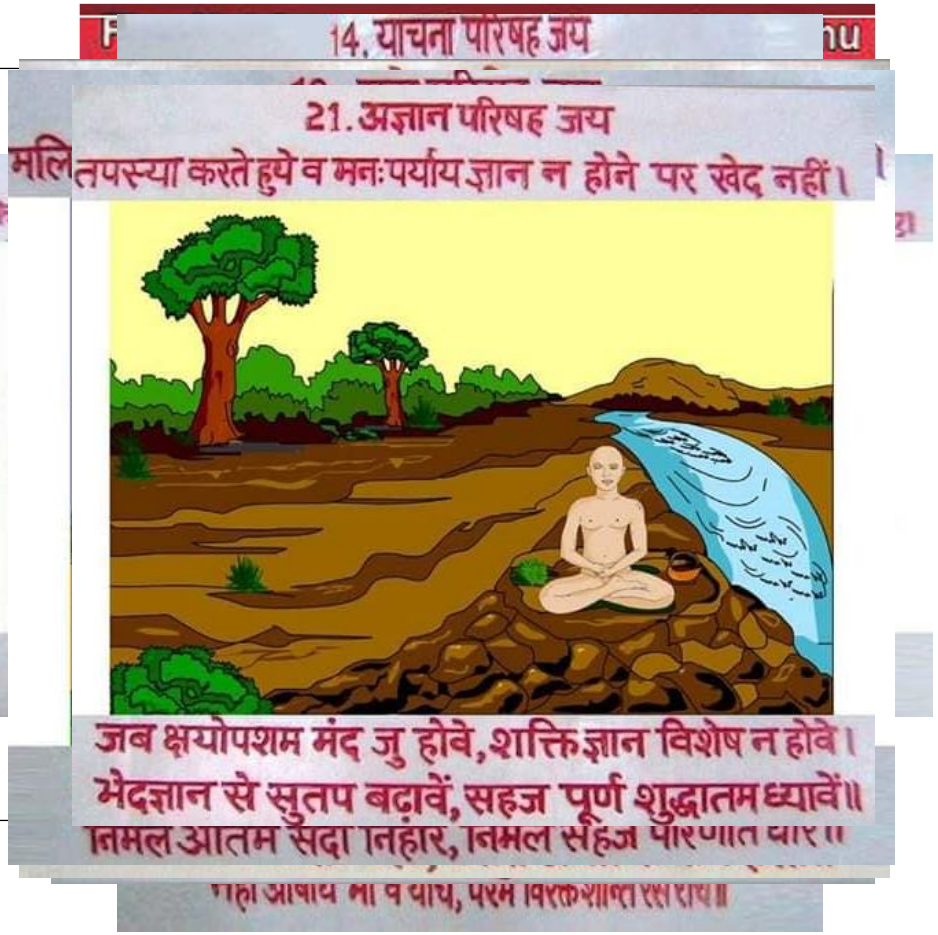

MEHULI KAMDAR

IMPORTANCE OF NAVKAR MANTRA

- IT RELEASES STRESS AND ADDS HAPPINESS
- IT BOOSTS OUR SELF CONFIDENCE
- IT INSPIRES ONE TO LIVE LIFE WITH VALUES AND VIRTUES
- BALANCES OUR EMOTIONS
- IMPROVES DECISION MAKING SKILLS
- INCREASES OUR SENSE OF EMPATHY & AWARENESS

MEHULI KAMDAR

Jai Jinendra